

बालविकटां सहावृषभवाहिणी। बोदकाठिनमां बोदीकमनुसमगाकिंकी ॥
 विजयाकमवृषभुकाठकाभवाणादुला। वदकमुसकाकाया नानावन्ना
 विरुषिता। कविीकेयाल। ग। माश्यामकाहिबदगमिनी। दवाभ
 वननानिन्द्याकावकुपुलमपि। गा। ददाभुसमका। सिद्धिमका। विरु
 वसंवर्ध। गजकपाविनाला। दो। नाउकुलनमन्त्रिणा। गकिरु
 मायवापुगावदु वेदुयमपि। गा। द्वागया नमसावृष्टिअनिगदुम
 महुवा। नकवका नदलीमां अयवावायमयदा। कवागु। वेअयमश्रुमिद
 गयेवृष्टिना। मका मयीमका नजादशकठरयावका। जिह्वालो। लेष्टमा

ननु यिं गुरु यिं नला वना । इति व किं मका वना कया ला वना कला । मिथुनी ला
 ननु या व पु व पु मिथुनी ॥ मका मदि वमा वुटा मिथुनी कया वुम
 नवयता ममा वुटा वुम वुम क
 का ममा दया । वता । ममा कि
 ददा वुम मका कालं दिवा मिथुनी
 केन क मपुता । पु क यि वु निरा
 य क पुता य गा व क म व मपुता । मका म न मा वुटा मिथुनी वना म विता
 क व गा व वि वि वुता । गा मिता मलका कला । निगम यो वना नमका कया वुम म

गौतमिक। सिद्धि न्यदादुमनिर्णयः ४ यादुमांभया ॥ महायावोवय ४ यामाभु
 म. कुरुममयमी। धृताकुणकवांतीमाथेववकां वदुका। कसकृटासुदाय
 गाहानकपुलमापुता। मुगा
 मृवा। नानावन्नविदिनामीया
 निव्येवायलाकनिवाविनी०
 किकपुपुसमावायमेष्य० मका
 रामाविष्टुवकी० समकत० ४। कयालमालाकवर्णासुहाठलिमसावृता। अटा
 कलायणाकायापुलसद्व। मधाविणी। सिद्धवमापुकायतांमृवावोवय

वावितां॥महागवगिवांमाश्रमातितायागिनीयियां।युतकृन्धममावृटावीव
 (ग)विबवायेतां।कवाहुममहागा।किंकर्म।मिद्वे२३माश्रमी०।युतयाश्रुद
 मीकासां।मन्नाऊनममयुकां।दशकृवालविकटां।गानामागव
 नादलां।येनाश्या।यम्लेऊ
 महाकायागिठलायतयागय
 वायेतां॥महाकालीविनाला
 वक्रममहुनाताया।गष्टवावितां॥अवितंगलगायेव४मवमिद्वियुदायिका
 ।कवाहुममहागा।किंसायवावायमयदं।अधुनामागववृत्तायायकीमव

३

वृत्तकथी॥मम्वककवगर्जकीमिद्वकीथावविद्युये४॥नीलेन्द्रीवलमाला
 किमालितायममष्टवी॥वावाहीकावममृतामिद्विवावगमविता।बला
 लेका।लेदीकागीमकानायाव
 नातामिद्विदयगुम।शुबदि
 ।शुबमगिठताठाया।नाता
 ल।शुविताकनकयुका।गऊ
 ॥वृत्तकीवितरुतावीजठामकठ।गाकिता॥ठावकेयुवृष्ट्यामीमवाम
 वनममृता॥मागदामम्वदानित्यमायवावायवदनी।विगवृष्ट्यामीमवाम

गीनन्दी ०० नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥ कर्त्तु कर्म सिद्धि वमा सुती ॥ नुद काठ
 मम कृता ० नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥
 जिह्वा नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥
 मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥
 ना ॥ कवा नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥
 वना ॥ कवा नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥
 नी ॥ कवा नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥
 कुङ्गा ॥ कवा नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥

6

वद ॥ कवा नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥
 यव मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥
 नी ॥ कवा नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥
 मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥
 देका ॥ कवा नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥
 गिन्या ॥ कवा नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥
 मा ॥ कवा नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥
 यिका ॥ कवा नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥ कवा नु मम कृवा ॥

देवमममादगमृकयशायालयकिजगमृवृमृदोरववमयताशकवृनुममका
 गाकिंलाकमिबलाकसागवशमृवृवृवृवृमृगिकयीलेनी॥मृवृककादि
 वृयादीमथावृवृकयदिनी॥मया
 यशववदावृदवृयाकुमकास
 मकाविरुवावेमृवा।दियुय
 दिमातवा मका मृका ४ मका क
 नानावृयममविता॥दियाकविद्वमीमाथुयातालतलेवामिनी।नकागीतिवि
 माग नयकिंरुतायवामृता॥मननमृधीतमनसाक्रमकवृनुममका।मृयम

१०

मृवृविद्विनी॥मृमाककमकाशानेमृपुनैदियुटावृनी।मृलयारकववादीमी
 यंणदविनेकम॥यविकावावृवृकलीमिल्लीबीणद्वगवाकली।ककालनावणावि
 मृमणितामृकल्लुवृ॥नद्यावेवा
 यनायकायमंवलदियुममय
 यिका॥यावृनीगकिमयकायी०
 काळकावनादिनी॥कवाकुविज
 यावृनृणकंनृकवृविठयाकली॥मकमालमृविमृपुंमथिकयुतमृविनी।यपु
 टकावनावादीगवाळकावनादिनी॥गवाडागनमावृट्टाताजिद्वामृमीषण०।

वद्वि वकायु लिंगधूमसागवनेवर्ष ॥ अग्निगर्भमसूत्रमवाकणीयविर्ग ॥ अ
 मिहोलासकाभकाधूमवर्कसु लिंगवान ॥ नमस्तुतावलीगीमा ॥ काधिनावद्वि
 सान्निजो ॥ अग्नि का कियमाहा ॥ लादरुनीयावनीनिवा ॥ यथागिना
 मरुकागामरुकायुदयदुका ॥ मधुमालाकलावा ॥ कयालक
 नरुमिका ॥ मयमोमयेयानि ॥ यमकावधिबलियठा ॥ अग्नि ॥ म
 मावृत्तवर्माकसामयकाग ॥ का ॥ मरुकायवमवगमनयागयजव
 यावर्ग ॥ मरुकायि समायुक् ॥ गिवाकवातमिमुता ॥ मयाकिनीसमायुक्
 मरुकायमलेनागर्ग ॥ वनमालाकलागीमविद्युववितनजम ॥ गकियववम

72

वे ॥ मगनायु कट्टिनि ॥ यागिनीवीववताल ॥ यवका ॥ गतविद्युविर्ग ॥ अग्नि क
 कालजयुतथवेवदवामये ॥ विद्युकि कर्मकायाव ॥ यममाले विद्युवि
 र्ग ॥ वाकमविविधाकावे ॥ यव
 गेवन्नमालासमाकले ॥ गानि
 वृत्तलीलेमरुका नीलेकमया
 कोटमववयुजिर्ग ॥ कवायुमम
 याममरुकाय ॥ अग्निवावटयाकले ॥ नानावावमकीर्ण ॥ यममयातमीषण ॥
 गन्धवयावुनर्गवेवृविर्गवेववात्मक ॥ विनि कोटिय आकीर्णधूमवर्किसमा

कलं। यद्वा कवा लविकटं धितर्कं नृधिवा गदं॥ कया लन विविगुग मृगु माला विमृ
 धितं। मळा कालं मृवायी मृवा द्धमं ३ यविवा विने ३॥ केला सैता डिर्गं यं वा ग क पु
 वकवा लिनं। या गिना या ग मं य
 कृक कर्ण विविगाली युतना गधा
 तो॥ मृल युता युर्क धा रं गृह मं य
 निव विविगं॥ ६ मृक क व वा य रं
 कीर्णं कवा यु म म गानि कं॥ कृम मा या य रं म म मळा विम व मं व यं। कृद मृ व
 न य यं। वे नि मा या विमृ धितं॥ कं क धं ज म मा कीर्णं वा य यं मं य व मृ नं। य

कया ल म मा कीर्णं विविगि ४ य क ल नि वि ४॥ ग र गी मा न नं थारं क या ली गं मळा यु वृ
 म मा न यी ० म य मृ या गि नी वि ४ य व वि रं॥ म म गी म म गी व व वा य व ग मळा व ली
 कं य नी धं ज नी व व वा क मा व रं व
 नि मृ ना। मळा म य य म दृ क य न
 त्या नं व वि वा कृ नं ४ मं द क य ति यी
 य न म कं क रं वा वा की ग कि मं य रं।
 मृती॥ ६ कृ व ल मळा क रं ना म म क म क रं। मळा कृ क व म कृ नं य य य क व। गानि
 म॥ नाना विरु ग म कीर्णं कृ व गाल म क लं। क या द य व (गु रं) क व रं मा कृ वि रं।

यमावृष्टेऽसुवेयम् ४ कयालक वंसासुवे ४ बकाणवयमकेष्टमकुमाता वि
 लेविशिष्टायागिनीविदिवेकालेवृष्टिर्गदविगकर्म। समनादवकीवव
 एकवगासकावला ॥ सीमकीका
 दंशुवाला रुडीयष्टुदुष्टकण
 नाविकुनानावव ४ सीषण
 नंदनं रुकिवकानाददादुवि
 लेविश्वववदनं ॥ केगणाभाधियायदुयीरियायी ० मदका। मयाकवावि
 गेष्टान्यनननननकवालग ४ ॥ ननुशुविदिवेककावा ४ यातालनलेवासिन ४

२५

गिरिकंदवदार्मधुवनभुयवतनभुव ॥ विविदिमृमितायववीवणावीवनायिका
 यागिनीविदिवेककावागलावदुष्टकिंकवा ॥ वेकवावृष्टवनालानानाविकुन
 मंरुवा ४ मधुमयीतमनसाग
 ध्वयकाकिमीरागभवव। धी
 यं ॥ वदुमृमवितागनयवीवा
 दुनानाविकुनमधया ॥ नुदाव
 वालावककलाववकालेगलीग। येवव ॥ नदुया। गलुवीववधवावधुवाव
 मृता। अथिकावयकवकिमीमृतादुष्टनयग ॥ नाकिंकवृष्टुमनिधिमथायाय

यविद्वय। सा तागिवागथदन्तामनाहर्षणमृथा ॥ चर्वाहुमृयमावेवय
 गावृषावृमिनी। आयवकुरुकीठ। के नगाया मीववमिगा ॥ अधिकवव
 साधिवृमवेववृयवोदिगा । गार्किं कवृममतिन्यकेथो विरय
 वृवृन ॥ रिसावली मगावा वरु
 टावकाठवाकीवृकानना ॥ यीवालीमवोवता। मरुनयमन
 नगा४। मकागार्किं यकवृकिरु
 मीकागानमयावृयीवला । कालीवरुबिणीवृवृगालिनीका४३कीरुथा ॥
 मकावलीमथावागोमरीकोलेकीमथा। गार्काठवीवविद्याताकलोवव

१५

वृवमिगा ॥ वायवकुरुकीठकि कवृकि न्वधिकववृ४थागयूका४यकवृकिगा
 किं वममतिन्यम४ ॥ क। बिकाठविणी। मथवावाववमखीमथा। क। लिनीमम
 यीवयधिगलावमकलिनी ॥ मारुगागाकलजागाकलोययीवव
 मिगा। मनाथय४कलावककी
 मीकवृकिममगाकिं क। कान
 का४ ॥ मवमिमासमकवृनुमंग
 वमिठवकासकावला ॥ मकाकालकवीववृमवेववृयवउक४। आदिववृमि
 गावृमथागिनीगणयालका४। गार्किं कवृनुमतिन्यमकानागकिवमला। व

पुष्पजागृत्वा ध्यात्वा गङ्गाद्वयं कदाचिद् ॥ नृगणवन्दे ॥ माद्वन्नायकामार्गपाल
 का।गा।नै।कर्वन्नुम।निर्यमवयाथय।वे।क्य॥ग।कर्त्ताममतानन्यो॥गा।वा
 लण्डिनामंठ॥यत्तत्रामंथ
 लेकठप्रविद्यामाधुनायावीव
 वृत्तकानुयातका॥लक्ष्मीक
 यवापुर्वरुक्किकिवकायुष्टाग
 गिनीगणमथ ग॥विनायकाधियात्ताग।न।न।वृत्तममकग॥कर्वन्नुममठाग
 निर्यकालं निवृत्तया।वलिनन्यादगरीवाकयपीवाकवकथ॥मृदीवा।गा

१०

यत्किमिति ध्यात्वा सुपुलकथा।ग।क।वृत्ताधियष्टेवृद्धायवगणनायका॥कौय
 वावा।मठा।वा।मठा।व।ल।य।वा।क।मा॥आ।य।वा।वा।ग।म।पु।थ॥द॥द॥म॥म॥म॥व॥द॥॥
 का।मा।द॥प्र॥य॥मा।द॥प्र॥म॥म॥था।य॥म॥र॥
 का।मा।य॥का॥॥गा।नै।कर्वन्नुम।निर्य
 प्रमवाक॥म॥न॥व॥म॥थ॥॥म॥ठा
 ॥कै।यु॥धे।शो।वि।गा।ला॥का॥क॥ल॥या
 म॥का।न॥य॥ति॥या॥ल॥का॥॥या॥गि॥नी॥ना॥धि॥या॥नि॥र्य॥म॥वृ॥मि॥दि॥य॥दा॥य॥का॥॥कै॥मा॥वा॥ग्य
 ययकुरुमवकालं हितं विण शलं यटं यण कण्डुं मूलदकं गजाननं ॥ वृक

चमवीव

कर्ममवानन्दमयमदुवलाकटसुनविनायकानिर्द्वीकीठानन्दममविना
 ४॥ निरुणियममविद्यानरुष्टुष्टुनवगमा। प्रीठल४कमलप्रुष्टुष्टु
 लावनकमथ॥ मार्ग। निद्राक
 यकययकलेनिर्द्वीयागिनिम
 पुनागन। मार्गगानाकलजार्ग
 द्रममृगुनातावकममविना४
 नायका४॥ दिवदकापुनमवदिवारू। नममविना४। दिवोर्लकावमयना
 दिवदृष्टिमकावला४॥ दिवमा। नमकीठकिनातायदमममिगा४। कीठ

१८

किंवकविद्यामनियकनयकवगा४॥ ननवाभुवयवीवा४ मृदुष्टयागमत्यवा
 ४। नमवदिवममृष्टयंगनिवममिमुकमा४॥ ममनिर्द्वीययकनरुष्टुष्टुनव
 गमा। यदम। किमगानानुदवता
 निरुद्वीयकनवगमा। केनृगा
 मगिनी। मियेद। गदुमीमिगायन
 रुकलनायिका४॥ ममदकदिम
 यादुमीवायमदिगा। निरुनमदा॥ मकाकालीयनयवमृष्टिणी। किमवानगिनी
 । मृष्टिकाया४३ कायायांतीकायां कालिका मृगा॥ काली। मृष्टनयाविष्ठीकी

मलमां प्रमदिक। ॥ लं क क म्मि माय द्या नामा गुरु व क नायिका ॥ कोठि वय मि ता
 महु। का म्मी व द्येणी म्मता। नाम मली या गुरु दामा टी क क्रा टी वा व (य व ॥ यि गं ला
 का म व य गुरु वी न वे य ह का म्म ता
 यिक ॥ मि क न ग ग नि या को ऊ
 व का वें ड ड य या गुरु वा द मी ॥
 क ठा। रं या या गुरु क वी या का यि रं
 लं का या यी ग ना म्म ता। वा यो द वि ठ वि द्य गुरु मा ल व यो
 ट क वें व ह म नी ना म वि द्य ता। मि की मा या म्म वी या का ग म नी या नि नी क ल ॥ कि

४। न या लं म्म ल की वी गुरु न ग व म्म ल ना
 यं या नु वि ल मि नी। क व यो य व ह
 य (म म्म व गुरु वें या वा व म्म वें ग व लो
 वी म ग (य व व ॥ क व वें गुरु कि नि का

१८

वा त मा क नी ना म तथा वे द कि (ग या थ। व म म्म ल क ला द या का वा ऊ लो ठि का म्म
 ता ॥ आ ट य वें व द ग गुरु व म त म्म ल क न्य का। वें मा दि व म्म या ना या नि ना यु थि वी
 ग ल ॥ मे दि ता क्क न यं य ना दि य म
 वि क्क न ४ य व वा क्क लो ४। आ ने वा वि
 कि व ता ४ म व व क्क य ४ य वि वा वि
 द म्म क मं। द द वु म व व क्क व न वि वि
 ना वा या नि य नि म्म मि ना ग था। द ड नि म्म मि ना द या ना ना क व व क्क दि ता ४ ॥
 न य क्क व व क्क क्क व य ग म्म व न जो क्क। वी ग वा न य म्म ता म ति प्र वा वि नि

य र्थ म्म य ता ४। की क कि वि वि वा का व
 न वी य व क्क व व क्क य वा दि ता। य द गुरु
 ता ४। ग। कि क व व म्म गुरु य मि दि व य
 ध ना क वा न म्म ना। म्म (म नि ४ म्म मि

नृमाथा॥दियादिया नृमादिया म न ४ यथाय क वला ४ यानिती ग ल वी मा ला
 नेक न वं वा वा मु ता ४॥ मय का माल का थ म्म ख व वी रु व वी म था । म व क ल्या
 न क व पी वी वा ला म कि व म ला
 ता ४ म द । म न का म्म म्म द । यि
 क बाल विज या ध्रु वि द्य कि
 वा व का की य ल या वि मा ॥ म
 वा रु नी । पु ता द वा ४ क ला व क व द्वा म्म म्म वि यु मा ४॥ हा व (ग) की व व द्वा का ४
 य द्वा माला वि द्वा वि मा । म कि का म व (ग) य मा ना द वी । ० य व द्वा मा ॥ का ल म्म

२०
 म्म

म्म म्म वा वा र्ग रु न्ना म विज य म्म द । य य द्वा म्म म्म व ला ये मा कि वि रु न व र म्म ॥
 को लि नी विज या व व ग म्म वी द्या व द्वा य । द्म म्म वा व व ला द्वा द्वा द्वा म्म का
 ल जि द्वा का ॥ रु द्वा का ल का ल
 रु की री मा म्म म्म द व की म्म
 यी क द्या लि नी । य म्म रु की क वा
 म्म ल म्म रु का ल न ल म्म म्म
 म्म रु ला ॥ वि द्वा वि द्वा म्म म्म म्म व न्ना ल । म्म । य य द्वा म्म म्म रु मा ०
 वी य ४ म्म म्म म्म ॥ को ल का ल वि का ना न्ना य वि रु द्वा म्म रु । मि द्वा

र्थनिमित्तार्थमात्रकानादिनायथ ॥ मातृनद्यामर्मदावयुगनामस्यमपि
 का॥ विष्णुजीगकनीववमकमागुक्कववनी ॥ आर्यकाशमुकल्यवव
 नीधिलयिदुका॥ स्कंदगुहा ॥ अविद्यामा४क॥ टिकंदयवमिना ॥ २०
 मातृकमागुवमकमगिनीन ॥ २३मुथा॥ अकाविकागिदामु
 वदुविंगतिमाकिनी॥ शीष्टा॥ नेकदमिनामुयानिद्यप्रकवकु
 कसमाविकादिनदासुप्रविर्क ॥ नविदुषिता॥ उदुयादलकल
 कादीनिंगतिमहावला॥ दवगदादगनीगिगुष्टीरुतय ॥ कामुथा॥ दू
 वादनिनीकागुदोक्तयवकवाकमो॥ वाकमा४यवविर्कया४यिगावावव

दमयावनशाष्टुक्तवप्यागुलजाकवा४वाववाकैगशाकोमावदामिदमक
 धी॥ अवनकुववामिदायामालतलवामिन४मेवकूदिद्यमप्रयुक्तमा
 दामिदिमामेदा॥ विदुगिमय ॥ यकुनुमवमिदिमनाडावा॥ यूनव
 न्यवदुयी॥ ०कैगयायवव ॥ मिता४॥ नातावयधवालीमा४ममि
 द्वा४मिदिदानुर्णा॥ नामादिष्ट ॥ नेमयामिद्यथ१गवयवमिना४॥
 वदुका४कालदगुष्टुष्टुष्टुम ॥ कवधेडा४॥ मुनिकष्टुष्टुमवकखाय
 कवमिलालन४॥ वदुयावदवाकष्टकालक॥ मुमकावले४॥ वपुलाभाभमयनाय
 अद्यष्टाकष्टु४कयालिन४॥ कीकालागंधकावष्टगष्टवधियमिष्टथा॥ अनेक

॥ एव कुसुमि कुकु वृद्ध मधुवशा गम मिः ॥ मुवि काना मा सु नि ला धन ग कि न
 ॥ १ ॥ ॐ / गा गा न दी क प्र उ प्र द्यो उ ठि का म् ॥ का य क (पु) क य यी वा न ल क र
 म क ठा व ल ॥ य यो क प्र म वृ वा
 व ॥ म व र्ग म प्र क व (व) नि व व
 ला म क ठा व ल ॥ व न य द प्र व
 काल जं य प्र के ला ग ॥ यि नि ना
 का क क टी प्र व ॥ य व वा दु र्द क प्र क क टी न ज मा लि न ॥ क क वा का म क ठा य
 ना म लि र द ॥ य र्ग ज न ॥ गी मा व वा म र्ग य प्र म क ठा जि का ख वा न न ॥ गी स ना द

२२

द क ग प्र ग ज क (पु) वि ठा ल क ॥ १ ॥ म् खा य न व (व) यी ठा क र्ग ॥ क य दि न
 ॥ म क ठा व प्र नि द् म् खा म क ठा क (पु) ज ठा व ॥ न न वा न् य व व क वा ना ना व
 य व वा म् ॥ ना ना यी ० ग ना य
 ग क र्ग ल प्र य नि क र्ग ना म्
 ना वि धि म् ॥ ग म क य र्ग
 व द् (न) य व ना य व न म य ल ॥
 क म ॥ नी ल नी ल द र्ग का गी व का का य ग ला व न ॥ क य ल मा ला ग व ल
 नि न ग वि क गान ना ॥ ज ठा म क ठ र्ग की पु दि द्वा क ठ र्ग या व द् ॥ यि ग क यि

अथ काष्ठवयस्काममया मृथा । अथ काष्ठमकात्रीया तथा वा वायिका मृथ
 ॥ गालकाष्ठवकाष्ठवयोग्यी ० मकावला ४ थ मिद्धा साव वा वपु ४ के को म
 कुले मृकवा ४ ॥ दिन्म मय मरु
 द्वाधे निमृमकी पूर्वावस्था ॥ ५ ॥ क
 ना क रं जाला रु के मृथा । विद्या
 ४ ॥ सर्वतद्म मनसा मका ना म
 यवुनु दिनादिन ॥ कृत्वा मृपु ल क दिव्य युजायि वा विधे न त ४ ॥ वा म व नु य
 मनु लि मा न म म क नु व क थ ॥ निर्विकल्य यद्व तीना म ल क ल म म य

२४

१२

। सर्वयोग्य ॥ अथ काष्ठमकात्रीया तथा वा वायिका मृथ
 मृथा विद्या । अथ यत य ० मोन मृग लाय विमलं पु रं ॥ मृपु ली क न व द्यो ला
 विद्या म व ति नि न्य ४ ॥ दिव्य मृ
 विमृति व द न मृ मृ द द न व ति
 र्द न ना य क ४ ॥ विद्यो ली ना वि धे
 का कि व ली म जा व द न म र न रं दु वि ॥
 मृ व । विद्यो ला य न म नि ना दृ धि वा म व ना वि रं ॥ नै व व न य वा या रं द द्या या वि
 विधी म ना । न द यं त क रं द ना ना ग ना नां दु वि ग य न ४ ॥ द वा वि धु व र क ना नां द ना

